स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि

स्रोत: बिज़नेस स्टैंडर्ड

प्रत्येक वर्ष **4 जुलाई को** स्वामी विवेकानंद **की पुण्यतिथि** के रूप में मनाया जाता है। उन्हें **आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद का जनक माना** जाता है और उन्हें 19वीं सदी के अंत में अंतर-धार्मिक जागरूकता बढ़ाने तथा **हिंदू धर्म** को **एक प्रमुख विश्व धर्म का दर्जा दिलाने का श्रेय भी** दिया जाता है।

स्वामी विवेकानंद के संबंध में प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

- **परिचय:** विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कलकत्ता में हुआ और उनके बचपन का नाम नरेंद्रनाथ दत्त था।
    - **वर्ष 1893 में** खेतड़ी राज्य के **महाराजा अजीत सिंह के अनुरोध पर उन्होंने 'विवेकानंद'** नाम अपनाया।
    - उन्होंने विश्व को **वेदांत और योग** के भारतीय दर्शन से परिचित कराया।
    - **वर्ष 1902 में बेलूर मठ में उनकी मृत्यु** हुई। पश्चिम बंगाल में स्थित बेलूर मठ, रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का मुख्यालय है।
    - प्रत्येक वर्ष **स्वामी विवेकानंद की जयंती (12 जनवरी)** को राष्ट्रीय युवा दिवस (National Youth Day) के रूप में मनाई जाती है।
- **आध्यात्मिक योगदान:**
    - वह **भारत के महानतम आध्यात्मिक नेताओं और बुद्धिजीवियों में से** एक थे तथा **रामकृष्ण परमहंस के प्रमुख शिष्य** थे।
    - मानवीय मूल्यों के संबंध में विश्व को **विवेकानंद का संदेश उपनिषदों और गीता की शिक्षाओं** के साथ-साथ बुद्ध तथा ईसा द्वारा स्थापित उदाहरणों पर आधारित है।
        - उनका मिशन **परमार्थ (सेवा) और व्यवहार (व्यवहार) के बीच, साथ ही आध्यात्मिकता तथा दैनिक जीवन के बीच की खाई** को पाटना था।
        - उन्होंने **सेवा के सिद्धांत** का समर्थन किया। जीव (जीवों) की सेवा करना शिव की पूजा मानी जाती है।
    - वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में उनके ऐतिहासिक भाषण ने पश्चिमी दुनिया को हिंदू दर्शन (नव-हिंदू धर्म) से परिचित कराया।
    - उन्होंने हमारी **मातृभूमि के उत्थान** के लिये शिक्षा पर ज़ोर दिया। उन्होंने मानव-निर्माण और चरित्र-निर्माण वाली शिक्षा की वकालत की।
    - उन्होंने अपनी पुस्तकों में सांसारिक सुख और आसक्ति से मोक्ष प्राप्त करने के चार मार्ग बताए-**राजयोग, कर्मयोग, ज्ञानयोग तथा भक्तियोग**।
    - उन्होंने **सेवा, शिक्षा और आध्यात्मिक उत्थान** के आदर्शों के प्रचार के लिये **वर्ष 1897 में** रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

रामकृष्ण मिशन

- **रामकृष्ण मिशन** व्यापक **शिक्षा-संबंधी** और **लोकोपकारी कार्यों** में संलग्न है तथा भारतीय दर्शन के संप्रदाय अद्वैत वेदांत के आधुनिक संस्करण का अनुकरण करता है।
- **रामकृष्ण मिशन के दो उद्देश्य थे:**
    - **संन्यास और आध्यात्मिक** जीवन के लिये प्रतिबद्ध भिक्षुओं को संगठित करना जो वेदांत के सार्वभौमिक संदेश का प्रसार कर सके।
    - जाति, पंथ या रंग की परवाह किये बिना सभी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को ईश्वर की सच्ची अभिव्यक्ति के रूप में देखते हुए **लोकोपकारी तथा धर्मार्थ गतिविधियों में संलग्न** होना।
- मिशन की स्थापना **वर्ष 1897** में **विवेकानंद** द्वारा **कोलकाता** के पास संत रामकृष्ण (वर्ष 1836-86) के जीवन में सन्निहित **वेदांत की शिक्षाओं का प्रसार करना** और **भारतीय लोगों की सामाजिक स्थितियों में सुधार** करने के दोहरे उद्देश्य के साथ की गई थी।
- आदर्श वाक्य: **"आत्मनो मोक्षार्थं जगद्धिताय च"** ("आत्मा का मोक्ष और जगत का कल्याण")।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/death-anniversary-of-swami-vivekananda